प्रेषक,

सनीलश्री पांथरी उप सचिव, उत्तराखण्ड शासन

महानिदेशक. चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून ।

चिकित्सा अनुभाग-5 देहरादून : दिनांक 19 मार्च 2012

विषयः वित्तीय वर्ष 2011-12 में सीतापुर नेत्र चिकित्सा ट्रस्ट द्वारा राज्य में संचालित चिकित्सा केन्द्रों हेतु अनुदान की स्वीकृति ।

महोदय.

कृपया उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 6प/नियो/01/2012/7177 दिनांक 14.03.12 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2011-12 में स्वैच्छिक संस्थाओं को अनुदान योजनान्तर्गत श्री राज्यपाल महोदय राज्य में सीतापुर नेत्र चिकित्सलय ट्रस्ट द्वारा संचालित चिकित्सा केन्द्रों हेतु रू० 20.00 लाख (रूपये बीस लाख मात्र) के आवर्तक अनुदान अवमुक्त किये जाने की सहर्ष स्वीकृति वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1, अध्याय-16 ए में उल्लिखित अनुदान सम्बन्धी नियम / शर्तों के अतिरिक्त निम्नलिखित शर्तों / प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:--

> 1. स्वीकृत की जा रही धनराशि तत्काल आहरित कर संस्था को उपलब्ध करायी जायेगी । संस्था द्वारा धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा जिस हेतु स्वीकृति की जा रही है।

> 2. व्यय करते समय शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों / निर्देशों तथा

बजट मैनुअल के नियमों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा ।

3. संस्था को निर्गत होने वाले अनुदान के सापेक्ष की जा रही गतिविधियों को सुचारू रूप से सम्पादित किए जाने हेत् नियमानुसार अनुबन्ध विभाग एवं संस्था के मध्य रू० 100 के नॉन--जुडिशियल स्टम्प पेपर पर हस्ताक्षरित किया जाए।

4. जनपद चम्पावत, बागेश्वर तथा रुद्रप्रयाग में सरकारी चिकित्सालयों एवं एन०जी०ओ० सेक्टर में कुशल नेत्र शल्यकों के अभाव के कारण प्रयाप्त संख्या में Opthalmic surgeon नहीं है। इस परिस्थिति के अन्तर्गत उक्त जनपदों के एन०जी०ओ० को नेत्र शल्यक्रिया से सम्बंधित आवंटित कुल लक्ष्यों का 50 प्रतिशत कार्य सीतापुर नंत्र चिकित्सालय द्वारा किया जाए।

5. संस्था द्वारा प्रत्येक माह किए जाने वाले ऑपरेशन की सूचना एम0पी0आर0 के रूप में राज्य कार्यक्रम अधिकारी (नेत्रोपचार) को प्रेषित की जायेगी तथा शिविरों की सूचना / तिथि की जानकारी भी संस्था, उंक्त अधिकारी को प्रेषित करेगी ।

6. आवर्तक अनुदान के सापेक्ष संस्था द्वारा किन-किन मदों में धनराशि पर व्यय किया गया है, इसका विवरण भी संस्था विभाग को उपलब्ध करायेगी तथा उत्तराखण्ड के कितने मरीजों को संस्था की सेवाओं का लाभ मिला है, यह सूचना भी संस्था विभाग को प्रस्तृत करेगी ।

7. संस्था विगत 3 वर्षों में उसके द्वारा उत्तराखण्ड यूनिटों के माध्यम से किए गर्य कार्यों को वित्तीय एवं भौतिक विवरण नेत्रोपचार अनुभाग, रवास्थ्य महानिदेशालय को प्रेषित करेगी ।

8. संस्था को नेत्र चिकित्सा/शत्यक्रिया से सम्बंधित शिविरों तथा अतं रोगी/ मरीजों की संख्या का भौतिक सत्यापन समय-समय पर सम्बंधित जनपद के

मुख्य चिकित्सा अधिकारी से कराया जाना आवश्यक होगा।

9. संस्था द्वारा उपरोक्त सभी शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा अनुपालन आख्या आगामी ट्रस्ट की बैढक में एवं महानिदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को उपलब्ध करायी जायेगी।

10. स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31.03.12 तक कर लिया जायेगा एवं उपयोगिता प्रमाण पंत्र एव मदवार व्यय विवरण यथासमय शासन

को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा । ?

11. यदि स्वीकृत की जा रही धनराशि बैंक में रखी जायेगी तो समय-समय पर उस पर अर्जित ब्याज को राजकोष में जमा किया जाना सुनिश्चित करके उसकी सूचना शासन को भी दी जायेगी।

उक्त व्यय आय-व्ययक 2011-12 के अनुदान संख्या-12 लेखाशीर्षक 2210-चिकित्सा तथा लोक रवास्थ्य-आयोजनागत, 01-शहरी स्वास्थ्य सेवायें-पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति, 800-अन्य व्यय 07-स्वैच्छिक संस्थाओं को अनुदान 00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/अंशदान/राजसहायता के नामे डाला जायेगा ।

यह आदेश वित्त विभाग को अशासकीय संख्याः 417 (P)/XXVII-3/2011-12 दिनांकः 16 मार्च 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं ।

> भवदीय (स्नीलश्री पांधरी) उप सचिव

संख्या 306 / XXVIII-5-2011-38/2001 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेत् प्रेषित :-

महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओवरॉय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादन ।

प्रमुख सचिव, गा० मुख्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन। 2.

- जिलाधिकारी, नैनीताल, उधमसिंहनगर, पौड़ी, चमोली, पिथौरागढ़, अल्गोडा एवं 3. बागेश्वर ।
- मुख्य चिकित्साधिकारी, नैनीताल, उधमसिंहनगर, पौड़ी, चनोली, पिथौरागढ़, 4. अल्मोडा एवं बागेश्वर ।

चरिष्ठ कोषाविकारी/कोषाधिकारी, देहरादून ।

सचिव, सीतापुर नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट, सीतापुर । 6.

- वजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून । 7.
- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन विभाग/एनं0आई०सी०। 8. आतारी,

गार्ड फाईल ।

288 (सनीलश्री पांधरी) उप सचिव